



Worksheet -parvat pradesh me pavas

1. यहाँ किस ऋतु का वर्णन किया गया है?

- (a) ग्रीष्म
- (b) शीत
- (c) वर्षा
- (d) हेमंत

2. 'मेखलाकार पर्वत अपार' में पर्वत के किस भाग का वर्णन किया गया है?

- (क) पर्वत की चोटियों का वर्णन किया गया है
- (ख) पर्वत के ऊपरी भाग का वर्णन किया गया है
- (ग) पर्वत की तलहटी का वर्णन किया गया है
- (घ) पर्वत के विशाल ढालदार भाग का वर्णन किया गया है

3. पर्वत किसमें अपना प्रतिबिंब देख रहा है?

- (a) झरने में
- (b) दर्पण में
- (c) फूलों में
- (d) तालाब में

4. पर्वत की आँखें किसे कहा गया है?

- (a) पर्वत की चोटी को पर्वत की आँखें कहा गया है
- (b) पर्वत पर उगे पौधों को पर्वत की आँखें कहा गया है
- (c) पर्वत पर खिले हज़ारों फूलों को पर्वत की आँखें कहा गया है
- (d) पर्वत के पत्थरों को पर्वत की आँखें कहा गया है

5. "पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश" से क्या तात्पर्य है?

- (a) वर्षा ऋतु में पर्वत का सौंदर्य क्षण-क्षण में बदलता रहता है
- (b) वर्षा ऋतु में नदी का सौंदर्य पल-पल बदल रहा है
- (c) वर्षा ऋतु में फूल मुरझा गए थे
- (d) इनमें से कोई नहीं

6. पर्वत के चरणों में तालाब

- (a) हरियाली के समान फैला हुआ है
- (b) काँच के समान फैला हुआ है
- (c) दर्पण के समान फैला हुआ है
- (d) मोतियों के समान फैला हुआ है

7. 'अवलोक रहा है बार-बार, नीचे जल में महाकार' से क्या तात्पर्य है?

- (a) कवि नीचे जल में बार-बार देख रहा था
- (b) परमात्मा नीचे जल में बार-बार देख रहा था
- (c) पर्वत नीचे फैले जल में अपने विशाल आकार को निहार रहा था
- (d) उपर्युक्त सभी

8. पहाड़ों की छाती पर झरने कैसे प्रतीत हो रहे हैं?

- (a) वृक्षों के समान सुंदर प्रतीत हो रहे हैं
- (b) विशाल नदियों के समान प्रतीत हो रहे हैं
- (c) मोती की लड़ियों के समान सुंदर प्रतीत हो रहे हैं
- (d) इनमें से कोई नहीं

9. किसे 'गिरि का गौरव गाने वाले' कहा गया है?

- (a) पर्वत पर खिलनेवाले पुष्पों को
- (b) पर्वत पर खड़े वृक्षों को
- (c) पर्वत की ऊँची-ऊँची चोटियों को
- (d) पर्वत से झरनेवाले झरनों को

10. 'झरने के झर-झर स्वर' में कवि ने क्या कल्पना की है?

- (a) मानो ये झरने पर्वत की महानता का गुणगान कर रहे हैं
- (b) मानो झरने तालियाँ बज रहे हों
- (c) मानो ये झरने पर्वत को स्नान करा रहे हों
- (d) इनमें से कोई नहीं

11. झरने क्या कर रहे हैं?

- (a) बहुत ऊँचाई से गिर रहे हैं
- (b) मोती की लड़ियाँ बना रहे हैं
- (c) पर्वतों का यशगान कर रहे हैं
- (d) दृश्य को सुंदर बना रहे हैं

12. 'मद में नस-नस उत्तेजित कर' से क्या तात्पर्य है?

- (a) झरने मस्ती में उत्तेजित होकर गा रहे हों
- (b) झरनों की नस-नस में मस्ती भरी है
- (c) झरने ऊँची-ऊँची आवाज़ में पर्वत का गुणगान कर रहे हैं
- (d) झरने के स्वर को सुनकर दर्शकों की नस-नस में उत्तेजना व मस्ती भर जाती है

13. झरने किसके समान लग रहे हैं?

- (a) उच्चाकांक्षाओं के समान
- (b) गौरव के समान
- (c) मोती की माला
- (d) फूलों की लड़ियों के समान

14. वृक्ष आकाश की ओर कैसे देख रहे हैं?

- (a) एकटक, प्रसन्न, अटल रहकर
- (b) प्रसन्न, अटल, चिंतित रहकर
- (c) एकटक, अटल, चिंतित रहकर
- (d) चिंतित, उत्साहित, एकटक रहकर

15. पहाड़ों पर उगे वृक्ष कैसे लग रहे हैं?

- (a) मन में उठने वाली उच्च आकांक्षाओं के समान
- (b) मोती की लड़ियों के समान
- (c) नदी में उठने वाली लहरों के समान
- (d) उपर्युक्त सभी

16. 'रव शेष रह गए हैं निर्झर' का क्या अर्थ है?

- (a) केवल झरना शेष रह गया है
- (b) झरने ने आवाज करनी बंद कर दी है
- (c) झरने दिखाई देने बंद हो गए; उनकी आवाज गूँजती शेष रह गई
- (d) झरनों के अवशेष दिखाई देते हैं

17. 'उड़ गया अचानक लो भूधर' पंक्ति का आशय है

- (a) बादलों से ढक जाने पर पर्वत अदृश्य हो गए हैं
- (b) बादलों के पंख लगाकर पर्वत वहाँ से उड़ गए हैं
- (c) पर्वतीय प्रदेशों में जब अचानक घने बादल आ

जाते हैं, तो सारा दृश्य अदृश्य हो जाता है

(d) उपर्युक्त सभी

18. 'धंसकर धरा में सभय शाल' का आशय स्पष्ट कीजिए।

- (a) शाल के वृक्ष अत्यधिक बारिश के कारण धरती में धंस गए
- (b) शाल के वृक्ष टूट गए और धरती पर पड़े हैं।
- (c) शाल के वृक्ष दिखाई नहीं देते क्योंकि आकाश में धूल छा गई है
- (d) शाल के पेड़ बादलों के झुंड में धंसे ऐसे लगते हैं मानो भयभीत होकर धरा में धंस गए हों

19. 'इंद्र खेलता इंद्रजाल' में इंद्रजाल किसे कहा है?

- (a) वर्षा ऋतु में बदलते प्राकृतिक दृश्यों को इंद्रजाल कहा है
- (b) इंद्र आपको जादू का खेल दिखा रहा है
- (c) बादलों को कवि ने इंद्र कहा है
- (d) इनमें से कोई नहीं